

दिया जाना चाहिए। यहाँ उत्पादन नब्बे प्रतिशत है।

मंत्री महोदय चूंकि नए आर्थे हैं इस लिए शायद उनसे इन सब चीजों की जानकारी नहीं होगी। इस लिए मैं उनका ही कहना चाहता हूँ कि जो गांवों की जमीन को रक्षायर किया जा रहा है उसका नन्कान रोकने के लिए आदेश जारी करें।

MR. SPEAKER: Shri Shyamnandan Mishra.

(Interruptions.)

MR. SPEAKER: Order please. I have called Shri Shyamnandan Mishra.

(Interruptions.)

(i) SERIOUS FOOD SITUATION IN KERALA

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA (Begusarai): I have to bring to your notice the extremely critical food situation in Kerala. Here I have got a sample of the food that is supplied They supply such a misreable quantity the people per head that even an infant cannot subsist on this. It is only a morsel of food. About 80 persons including women and important public workers, AICC Members, PCC, DCC Members have come from Kerala and were proceeding to Parliament House to present a Memorandum to you and the Prime Minister and the Chairman of the other House. They have been arrested this morning, with Shri Mahavir Tyagi, who is the leader of our party in the other House and one of the senior leaders in the country. Some urgent steps should be taken immediately to restore the cut in ration in Kerala. They are getting reduced supply. It has been reduced by fifty per cent, and the Centre is not meeting its obligation to the State. The situation would go out of hand and people would really face starvation. Many persons have died as a result of exhaustion I have got the sample. Can anybody say that this is adequate? (Interruptions) I request the Government to take immediate action in the matter.

SHRI DINEN BHATTACHARYYA (Serampore): Yesterday, I was trying to draw your attention to allow me to arise this matter about the acute food situation in Kerala where the trains have been stopped; students are not going to schools. It is strange that when this is the situation there, no step is taken by the Centre at least to see that the minimum food requirement is sent from the Centre so that this situation might get changed.

The Minister for food and Agriculture is here. He must make a statement on this. In Delhi many people have been arrested. (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय जब सब मंत्रिग साहब इकट्ठे बोलते हैं, तो कोई बात सुनाई नहीं देती है और कोई बात रिकार्ड पर भी नहीं आती है। (व्यवधान)

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: The Food Minister is here. Why have the people who have come here in search of food from Kerala been arrested? (Interruptions).

MR. SPEAKER: I allowed Shri Mishra and even Shri Bhattacharyya. What do you want to say, Mr. Limaye?

SHRI K. S. CHAVDA (Patan): This is not complete. Many people including some women have been arrested. So, the Minister must say something with regard to this. Even Shri Tyagiji has been arrested.

अध्यक्ष महोदय: एक तरफ आप लोग मुझे कहते हैं कि मैं फूड मिनिस्टर से स्टेटमट देने के लिए कहूँ और दूसरी तरफ आप लोग बैठते नहीं हैं, त कि मैं कुछ कहूँ सकूँ

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: Why have they arrested those who have come from Kerala in search of food?

MR. SPEAKER: Would you like to make a statement now or later?

**THE MINISTER OF STATE IN THE
MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI
ANNASAHEB P. SHINDE):** We are
at your disposal.

SHRI DINEN BHATTACHARYYA:
Tell us the quota fixed for Kerala.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA:
Why have the people, who have come
from Kerala in search of food, been
arrested?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : (स्वालिप्यर)
अध्यक्ष महोदय, इसका एक पहलू ऐसा है, जिस
का सम्बन्ध आपसे है। केरल की खाद्य स्थिति
का प्रश्न अलग है, लेकिन जो लोग पालियामेंट
के मामले प्रदर्शन करने के लिए आते हैं, आप
मेमोरेण्डम देने के लिए आते हैं, क्या उन्हें
आपके पास आने के लिए इजाजत नहीं होनी
चाहिए ? वे लोग पालियामेंट के मैम्बर के
साथ आ रहे थे।

अध्यक्ष महोदय प्रदर्शन तो बाहर हो
जाता है। (व्यवधान) मैम्बर माहवान एक
एक कर के बोलें। सब एक साथ खड़े न हो
जाए। (व्यवधान)

12 44 hrs.

RE. BUSINESS OF THE HOUSE

श्री मधु लिमये (बांका) अध्यक्ष
महोदय, मुझे यह बताया गया है कि 5 सितम्बर
तक आप कोई ध्यान दिलाने की नोटिस नहीं
स्वीकार करने जा रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय यह बिजिनेस एडवाइ-
जरी कमेटी का फैसला है।

श्री मधु लिमये मंत्री महोदय अल्प
सूचना प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं।
उत्तर प्रदेश में नौ करोड़ लोग निवाम करने हैं।
वहाँ पानी के अभाव में 600 फीट तक
विजनों का शर्टिंग चलाना पड़ेगा ? और
साथ-साथ ही बरत है। आपने 30.8.73 के
अधीन नोटिस का स्वयं नही किया है।

मैं कोई व्यवधान नहीं डालना चाहता हूँ।
लेकिन आप हमें कोई रास्ता बताइए। मंत्री
महोदय शार्ट नोटिस कवचन को स्वीकार
नहीं करते हैं और आप कालिन्ग एटेन्शन
नोटिस और नियम 377 के अधीन नोटिस को
स्वीकार नहीं करते हैं। इस स्थिति में हम क्या
करें ? 5 सितम्बर तक सेशन बढ़ाने का क्या
मतलब है, अगर हम जनता के प्रश्नों को
यहाँ न उठा पाएँ ? मैंने यह सवाल आपसे
पूछा है। आप इस बारे में कोई व्यवधान दें।

अध्यक्ष महोदय यह हाउस का फैसला
है और मैं उसका पाबंद हूँ। इस बारे में
पाटियो के लीडर्स की मीटिंग हुई थी। यह
हाउस का फैसला है।

श्री मधु लिमये : जब हम अल्प सूचना
प्रश्न नहीं दे सकते, क्योंकि मंत्री महोदय उन
को स्वीकार नहीं करते हैं और कालिन्ग
एटेन्शन नोटिस की और नियम 377 के
अधीन कोई मामला उठाने की आप इजाजत
नहीं देंगे, तो फिर जनता के सवाल को उठाने
का और कोई तरीका नहीं है। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय मैम्बर एक साथ बोल
रहे हैं। (व्यवधान) आप कैसे यह तयकरो
रखते हैं कि मैं पांच सात मैम्बरों को एक साथ
सुन सकूँ ? (व्यवधान)

श्री फूलचन्द बर्मा (उज्जैन) : अध्यक्ष
महोदय, आप सब सदस्यों को बारी बारी
मौका दीजिए। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय माननीय सदस्य बार-
बार क्यों उठते हैं। जब मैं किसी मैम्बर को
बुलाऊँ, तभी उस को उठना चाहिए।
(व्यवधान)

श्री मधु लिमये अध्यक्ष महोदय, मैंने
जो सवाल उठाए हैं वे सवाल आप उनके बारे
में कुछ बहेगें ?